RAO BIRENDRA SINGH: There are certain types of weedicides specifically effective for particular crops. Lot of work is being done by universities and also by our agricultural scientists in various institutes. But it is also a fact that even now there is quite a substantial part of our crop that can be saved, if we can eradicate weeds altogether.

DR. VASANT KUMAR PANDIT: Have you set up a National Weed Research Centre? However, a proposal to establish a National Centre on weeds, to work on various aspects of seeds affecting our crops is under consideration.

RAO BIRENDRA SINGH: There are centres for that research already existing in the country.

श्रीमती कृष्णा साही: अध्यक्ष महोदय, कृषि प्रधान प्रदेश उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पंजाब जो हैं उनमें फसलों को कीड़ा लग रहा है और यह बात सब को मालूम है। मैं माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहती हूं कि जो प्रान्तीय सरकारें कीड़े के प्रकोप को रोकथाम नहीं कर सकती हैं क्या उनमें भारत सरकार जैसे पहले एरियल स्प्रे किया करती थी, क्या वह अब भी करने का विचार रखती है।

राव बीरेन्द्र सिंह: एरियल स्प्रे की स्कीम भी हमारी है। अब भी हमारे पास एग्रीकल्चरल एविएशन विंग है जिसके पास हवाई जहाज हैं। जिस स्टेट गवर्नमेंट को जरूरत होती है वहां हम सेन्टर को एग्रीकल्चरल मिनिस्ट्री के हवाई जहाज स्प्रे के लिए भेजते हैं।

श्रीमती कृष्णा साही: बिहार में तो यह हुआ नहीं है। वहां पूरी फसल कीड़ा खा गयी है।

अध्यक्ष महोदय: श्री केयूर भूषण।

बारूका उदवहन सिंचाई परियोजना

*106. **श्री केयूर भूषण :** क्या सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश के रायपुर जिले में प्रस्तावित बारूका उदवहन सिंचाई परियोजना के बारे में प्रस्ताव केन्द्र के विचारार्थ भेज दिया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इसकी वर्तमान स्थिति क्या है ; और

(ग) क्या केन्द्र के पास ऐसी कोई योजना है जिसके अन्तर्गत छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण परियोजना को तत्काल क्रियान्वित किया जा सके ?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION AND IRRIGATION AND CIVIL SUPPLIES (RAO BIRENDRA SINGH): (a) No, Sir.

(b) As per information available with the Centre, the State Government have not formulated this project so far.

(c) Does not arise.

श्री केयूर भूषण: यह जो प्रश्न का उत्तर दिया गया है उस से यह मालूम नहीं होता कि छत्तीसगढ़ जो मध्यप्रदेश का पिछड़ा इलाका है वह 20-25 वर्षों से अकाल ग्रस्त रहता आ रहा है उसके लिए क्या किया जा रहा है, रायपुर और दुर्ग ये दो जिले हैं जहां पर सिंचाई के बहुत स्रोत हैं। इस बारूका बांध से ये दोनों जिले लाभान्वित होंगे। अगर इस बांध के सम्बन्ध में मध्यप्रदेश सरकार से कोई सिफारिश नहीं आयी है तो भी केन्द्रीय सरकार को इस ओर पूरी तरह से ध्यान

देना चाहिए। वहां पर सूखे की वजह से हजारों लोग वहां से पलायन करते हैं और पूरे देश के अन्दर फैले हैं। वह इलाका बहुत ही पिछड़ा हुआ है। ऐसी स्थिति में अगर मध्यप्रदेश शासन कुछ नहीं कर पा रही है, अगर वहां से कोई प्रपोजल नहीं आया तो क्या वहां की स्थिति को देखते हुए क्या यह जरूरी नहीं है कि केन्द्रीय शासन उस पर ध्यान दे ?

राव बीरेन्द्र सिंह। माननीय स्पीकर साहब, जहां तक इस प्रोजेक्ट का ताल्लुक है, मैंने यह तो अर्ज कर दिया है कि भारत सरकार के पास कोई स्कीम स्टेट सरकार से नहीं आयी है। दो हजार हैक्टेअर तक भूमि की सिंचाई के लिए जितनी स्कीमें होती हैं उनको स्टेट सरकारें भारत सरकार को नहीं भेजती हैं। उनको स्टेट सरकार अपने आप ही मंजूर कर लेती हैं।

जहां तक रायपुर जिले का ताल्लुक है, मध्यप्रदेश में सब से ज्यादा सिंचाई के साधन रायपुर जिले में हैं। मध्यप्रदेश में औसतन सिंचाई का रकबा है उसका 23 प्रतिशत रायपुर जिले में है। इसलिए आनरेबल मेम्बर की इस बात को मैं ठीक नहीं समझता कि रायपुर में सिंचाई के साधन कम हैं।

श्री केयूर भूषण: यह धान का इलाका है और धान के इलाके में पानी की बहुत जरूरत पड़ती है। उसके साथ ही यह एक फसली इलाका भी है। इसलिए रायपुर जिले की तरफ देखने का दृष्टिकोण जो है वह सही दृष्टिकोण नहीं मालूम होता है क्योंकि धान के इलाके में पानी की अधिक व्यवस्था करनी पड़ती है। रायपुर जिले में सूखा होने और एक फसली इलाका होने के कारण से जहां पानी की अधिक आवश्यकता है। उस क्षेत्र में पानी नहीं पहुंच रहा है जिसकी वजह से रायपुर का इलाका अभी भी अकालग्रस्त है। वहां के लोग वहां से पलायन कर रहे हैं। इस बांध से उस इलाके में 3 लाख 30 हजार एकड़ जमीन की सिंचाई हो सकती है। यह प्रदेश के अन्दर जांच के लिए पड़ी हुई है, इसके बिना पलायन और अकाल नहीं रुक सकता। मेरा निवेदन है कि केन्द्रीय शासन इस पर ध्यान दे।

राव बीरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैंने अर्ज किया कि हमें इस स्कीम की जानकारी नहीं है। माननीय सदस्य चाहेंगे तो हम जानकारी राज्य सरकार से लेकर उनको बता देंगे, लेकिन माननीय सदस्य जो कह रहे हैं, उस बात को दो तरफ से देखा जा सकता है। इनका कहना है कि रायपुर में धान ज्यादा होती है, इसलिए पानी की ज्यादा जरूरत है और मैंने बताया कि रायपुर जिले में सबसे ज्यादा सिंचाई के साधन मुहैया हैं और धान भी इसीलिए ज्यादा पैदा होती है।

श्री केयूर भूषण: मेरा कहना यह है कि जहां पर सिंचाई नहीं है वहां पर पूरी तरह से अकाल की स्थिति है।

SHRI SHIVENDRA BAHADUR SINGH: There are other schemes also from Chattisgarh area which are pending with the Centre. I would like to ask the hon. Minister as to how long he will take to clear off the schemes from here.

RAO BIRENDRA SINGH: I will require a separate notice to give a specific reply.

News item "New service needed to save Himalayas"

*108. SHRI R. L. BHATIA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item